हर खबर पर नजर

HPN

जनपद रायबरेली से प्रकाशित

हिन्दी साप्ताहिक

हर पल निगहें

Website:www.harpalnigahein.com

RNI. No.: UPHIN/2010/32333

वर्ष–15, अंक :38 हरचंदपुर–रायबरेली, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीयन संख्या RBL/NP-68 पृष्ठ–4, मूल्य– 1 रूपया

संक्षिप्त...

इंडस्ट्रियल अल्कोहल पर राज्यों का अधिकार नहीं छीना जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि औद्योगिक शराब के बारे में कानून बनाने की शक्ति राज्य सरकारों के पास है। इस फैसले में नौ जजों की संविधान पीठ ने 8.1 के बहुमत से यह निर्णय लिया। सुप्रीम कोर्ट ने 1990 में दिए गए एक पुराने फैसले को पलट दिया। उस समय की 7 जजों की पीठ ने कहा था कि औद्योगिक अल्कोहल को राज्य सरकारें नियंत्रित नहीं कर सकतीं। लेकिन अब की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि औद्योगिक अल्कोहल, भले ही नशे के लिए न हो, फिर भी इसे नशीले पदार्थों की श्रेणी में रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि राज्यों को औद्योगिक शराब को रेग्यूलेट करने और उस पर टैक्स लगाने का अधिकार है।

पूर्ववर्ती सरकारों के समय योग्यता से नहीं, पहुंच और रिश्वत से नौकरी मिलती थी: योगी

–संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में नौकरी योग्यता से नहीं बल्कि ऊंची पहुंच और रिश्वत से ही मिलती थी, लेकिन 2017 के बाद से चयन प्रक्रिया को भेदभाव मुक्त बना दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारियों, 360 ग्राम विकास अधिकारिया (समाज कल्याण) और 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों समेत कुल 1,950 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इस दौरान सीएम योगी ने पिछली सरकार पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, ह्यह्यआप में से कुछ अभ्यर्थियों ने 2017 के पहले भी आवेदन किया होगा। सक्षम व समर्थ होने के बावजूद सिर्फ इसलिए चयन नहीं हुआ होगा, क्योंकि आपके पास पहुंच और अभिभावक के पास इतना

पैसा नहीं था कि नियुक्ति करा सकें। सब कुछ होने के बावजूद आपको चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि लेकिन पिछले सात–साढ़े सात वर्ष में चयन प्रक्रिया में किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ। अगर अच्छे, सक्षम और योग्य अभ्यर्थियों का चयन नहीं होगा तो सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिस तंत्र को कार्य करना है, वह स्वयं लकवाग्रस्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए 2017 में ही तय किया गया कि जितने भी आयोग तथा बोर्ड हैं, वे निष्पक्षता तथा पारदर्शी तरीके से आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया संपन्न करें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, ह्यह्यहमारी सरकार में सरकारी, निजी क्षेत्र और संविदा के आधार पर नियुक्तियां ईमानदारी से बढ़ीं तो उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से दौड़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नवचयनित अभ्यर्थियों को जितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता से नियुक्ति मिली है, पूरा कार्यकाल उसी निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से बढ़ता जाएगा। ऐसा होने से उत्तर प्रदेश भारत की नंबर एक अर्थव्यवस्था और भारत 2047 में विकसित तथा आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ह्यह्यउनकी सरकार ने अपने पिछले साढ़े छह–सात वर्ष के कार्यकाल में लगभग सात लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दीं। प्रदेश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल देने के कारण निजी क्षेत्र में भी लाखों नौजवानों के लिए नौकरी की संभावना बढ़ाई गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा पहले नौकरी–रोजगार के लिए देश–दुनिया में भटकता था।

अतीक अहमद के बेटे उमर को मिली जमानत,लखनऊ सीबीआई कोर्ट में हुई सुनवाई

–एजेंसी

लखनऊ। अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर अहमद को लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी है। हालांकि, अभी उमर जेल में ही रहेगा। क्योंकि उसे दूसरे मामलों में जमानत नहीं मिली है। उमर अहमद पर मुकदमे में सहयोग नहीं करने का आरोप था। मामले में उमर अहमद के वकील अमीर नकवी के सहयोगी जैद ने बताया कि कोर्ट ने उमर को पेशी के बाद जमानत दे दी है। उमर लखनऊ जेल में बंद है। गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। यहां उमर के खिलाफ दो अलग–अलग मामलों में सुनवाई हुई। इनमें से एक मामला व्यापारी मोहित जायसवाल के अपहरण और मारपीट से जुड़ा है, जिसमें उमर अहमद पर गंभीर आरोप लगे हैं। अतीक और उमर पर जालसाजी, रंगदारी मांगने, लूट, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय

हुए थे। दोनों पर 364 ए के तहत भी आरोप तय हुए थे। 364 ए में मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान है। उमर ने विशेष कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। 26 दिसंबर 2018 में अतीक अहमद यूपी की देवरिया जेल में बंद था। मोहित जायसवाल नाम के व्यापारी को अतीक अहमद ने लखनऊ से उठाकर देवरिया जेल लाया गया था। जहां उसके साथ मारपीट की गई और 45 करोड़ रुपए की संपत्ति के कागज पर साइन कराए गए थे।

महाकुंभ 2025: तीर्थराज प्रयागराज बन रहा देश की आस्था का केंद्र

–एजेंसी

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 को दुनिया का सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजन बनाने जा रही योगी सरकार ने प्रयागराज के घाट पर अपने सबसे कुशल अफसरों को तैनात किया है। सरकार की धर्म–कर्म को लेकर स्पष्ट नीति के परिणामस्वरूप देश के कोने–कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। यहां तक कि विदेश से भी लोग अपनी सात–सात पीढ़ियों को मोक्ष दिलाने के लिए संगम नगरी पहुंचने लगे हैं। योगी सरकार का अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि बाहर से बड़ी संख्या में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की समस्या ना आने पाए। महाकुंभ को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। आस्था और विश्वास को लेकर प्रतिदिन उमड़ते लोगों के मद्देनजर

तीर्थराज प्रयाग एक तरह से देश का धार्मिक केंद्र बनता जा रहा है। प्रयागराज में संगम घाट के पुरोहित पंडित महेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही देश–विदेश से अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए आने वाले अप्रवासियों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है। यहां बड़ी संख्या में लोग अपनी सात–आठ पीढ़ियों को मुक्ति दिलाने के लिए कर्मकांड करने आ रहे हैं। इसके अलावा भारत के बाहर से भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग आते हैं, जिन्हें इतनी लंबी पीढ़ियों की जानकारी नहीं होती। प्रयागराज के घाट पर मौजूद पुरोहित उन्हें इस तरह की लिखित जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। प्रयागराज के प्रसिद्ध प्रयागवाल सुब्रह्मण्यम शास्त्री उर्फ चारी जी के अनुसार, योगी सरकार के रात–दिन चल रहे नवनिर्माण को देखकर स्थानीय लोगों के साथ–साथ अप्रवासियों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रयागराज के घाट पर ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा के पास आने वाले लोगों की लंबी कतार लगने लगी है। महाकुंभ की तैयारियों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के कोने–कोने से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना के अलावा कई राज्यों से हजारों लोगों का अनुष्ठान प्रयागराज के पुरोहित प्रतिदिन करा रहे हैं।

हॉस्पिटल में 5 दिनों तक चलता रहा लाश का इलाज ,चरक हॉस्पिटल में हंगामा

–संवाददाता

लखनऊ। रजधानी लखनऊ के एक हॉस्पिटल में 5 दिन से लाश का इलाज किया जा रहा था। घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के चरक हॉस्पिटल की है। यह आरोप मृतक के परिजनों का है, जिन्होंने युवक की मौत के बाद अस्पताल में जमकर हंगामा भी किया। परिजनों का कहना है कि परिवार के विशाल पांडेय का डेंगू का इलाज चल रहा था, लेकिन डॉक्टर उन्हें मरीज से मिलने नहीं दे रहे थे। बुधवार को जब परिजन जबरन वार्ड में घुसे तो वहां विशाल मृत पाया गया, उसके शरीर से दुर्गंध आ रही थी। इस पर परिजन भड़क गए और हंगामा करने लगे। उनका साफ कहना है कि अस्पताल ने मौत की जानकारी नहीं दी और लाश का इलाज करते रहे। इस बीच 5 लाख रुपए हॉस्पिटल वालों ने ले लिए। चरक अस्पताल में एडमिट कराया गया था, जहां इलाज चल रहा था।

गुरुवार सुबह कुछ किसान नेता भी पहुंचे और हंगामा बढ़ गया। जानकारी के मुताबिक, सीतापुर के सिधौली थाना क्षेत्र के अटरिया दरियापुर गांव निवासी विशाल पांडेय को बुखार था। 20 अक्टूबर को डेंगू के इलाज के लिए लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित परिजनों ने बताया कि उन्हें मरीज से मिलने से नहीं दिया जा रहा था। शक होने पर बुधवार देर रात परिजन जबरन वार्ड में घुसे तो उन्हें मरीज मृत हालत में मिला। परिजनों ने बताया कि देखने से लग रहा था कि विशाल की मौत बुधवार सुबह ही हो गई थी। मृत विशाल के शरीर से बदबू भी आ रही थी, जिसके बाद परिजनों ने बवाल शुरू कर दिया। मौत के बाद परिजनों ने देर रात बवाल काटा और सुबह गांव से किसान यूनियन के लोग भी पहुंच गए। उनके साथ मिलकर गुरुवार सुबह फिर अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया गया। आक्रोशित लोगों ने बताया कि डॉक्टरों ने इलाज में लापरवाही बरती। सही तरह से इलाज नहीं किया। परिजनों ने बताया कि अब तक करीब 5 लाख रुपए अस्पताल वाले ले चुके हैं। यहां तक कि मरीज की मौत हो जाने के बाद भी इलाज करने का बहाना बनाते रहे। हम लोगों को मरीज से मिलने नहीं दिया जा रहा था। अस्पताल प्रशासन इलाज के नाम पर पैसे वसूल रहा था।

योगी सरकार का कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट, मिलेगा बोनस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दिवाली से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देने

का ऐलान किया है।योगी सरकार ने ऐलान किया है कि दिवाली के मौके पर पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा। सीएम ने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट भी किया है। यूपी सरकार ने सीएम योगी के एक्स हैंडल से बोनस दिए जाने का ऐलान किया। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि ने प्रदेश के पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को वर्ष 2023–2024 के लिए बोनस प्रदान करने का सहर्ष निर्णय लिया है।

करहल: बीजेपी ने सपा को घेरने का बनाया बड़ा प्लान

तेजप्रताप के मुकाबले धर्मेंद्र के बहनोई भाजपा उम्मीदवार, अनुजेश पहले थे सपाई

–संवाददाता

लखनऊ। मैनपुरी की करवल विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने अनुजेष यादव को मैदान में उतारा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस सीट से तेज प्रताप यादव को उतारा है। बीजेपी ने सपा को घेरने का बड़ा प्लान बनाया है। सियासी हल्के में हलचल बढ़ गई। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के लिए नौ में सात विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। मैनपुरी की करवल विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने अनुजेश यादव को मैदान में उतारा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस सीट से तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा उम्मीदवार अनुजेश यादव का सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के परिवार से गहरा संबंध है। भाजपा ने सपा के किले में सेंध लगाने के लिए यह दांव चला है।भारतीय जनता पार्टी

के करहल सीट से उम्मीदवार अनुजेश यादव मुलायम सिंह यादव की भतीजी संध्या यादव के पति हैं। संध्या यादव आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन हैं। संध्या यादव और उनके पति अनुजेश यादव पूर्व में समाजवादी पार्टी में ही थे लेकिन बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। संध्या यादव मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की जिला पंचायत अध्यक्ष थीं लेकिन जब समाजवादी पार्टी उन्हें पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई तब संध्या यादव स्तब्ध रह गयी। तब भारतीय जनता पार्टी ने संध्या यादव की मदद की। इसके बाद संध्या यादव और उनके पति अनुजेश यादव ने औपचारिक रूप से भाजपा ज्वाइन कर ली।

कांग्रेस अपना दफ्तर और झंडा भी सपा को सौंप दें उपचुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर प्रमोद कृष्णम ने कसा तंज

–संवाददाता

लखनऊ। यूपी में खाली 10 विधानसभा सीटों में 9 सीटों पर उपचुनाव होने वाला है। इस उपचुनाव में कांग्रेस ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं और सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी के सिंबल पर ही चुनाव लड़ा जा रहा है। कांग्रेस ने यूपी में एक भी सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारा है, इसको लेकर यूपी सियासत गरमा गई है। सपा के इस फैसले पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस को अपना दफ्तर और झंडा भी सपा को दे देना चाहिए। बता दें कि प्रमोद कृष्णम ने एक्स पर लिखते हुए कहा है कि कांग्रेस को अपना दफ्तर और झंडा भी सपा को सौंप देना चाहिए। बता दें कि यूपी नौ सीटों विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच सीट शेयरिंग का मुद्दा काफी चर्चा में रहा। कांग्रेस जहां प्रदेश में चार

से पांच सीटें मांग रही थी, जबकि सपा, कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें देने को तैयार थी। वहीं सपा ने अब सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वहीं, इस सीट को लेकर अखिलेश यादव ने कल यानि बुधवार को एक्स पर लिखा कि बात सीट की नहीं जीत की है। इस रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिह्न साइकिल के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बड़ी जीत के लिए एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है। इंडिया गठबंधन इस उपचुनाव में, जीत का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। गौरतलब है कि हरियाणा चुनाव का परिणाम जब तक नहीं आया था तब तक कांग्रेस यूपी में 5 सीट की दावेदारी ठोक रही थी। लेकिन परिणाम कांग्रेस के अनुकुल नहीं रहा जिसका आलम यह हुआ कि अखिलेश यादव ने तुंरत 6 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिया। फिर कांग्रेस कील झोली में 2 सीट देने के लिए तय किया गया, लेकिन खबर आई कि कांग्रेस ने उन दो सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए मना दिया। जिसके बाद फिर दोनों पार्टियों के नेताओं की बैठक हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि यूपी में सभी सीटों पर सपा के सिंबल पर ही चुनाव लड़ा जाएगा।

सम्पादकीय

धान की पीड़ा

पंजाब में धान की भरपूर पैदावार के बाद किसानों का हैरान-परेशान होना व्यवस्था की विसंगतियों व तंत्र की नाकामी को ही दशार्ता है। राज्य की अनाज मंडियों में धान बहुतायत में पड़ा होना न केवल खरीद एजेंसियों की अक्षमता को दशार्ता है बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों में व्यावहारिक तालमेल न होना भी बताता है। जिसके चलते विपणन से जुड़े हितधारक विरोध जता रहे हैं। विडंबना देखिए कि किसान खून-पसीने से उगायी फसल को भी समय पर नहीं बेच पाने से परेशान हैं। किसान धीमी खरीद प्रणाली से चिंतित हैं। वहीं चावल मिल मालिकों की दलील है कि उनके पास अतिरिक्त भंडारण की क्षमता नहीं है। दूसरी ओर धान की खरीद से जुड़े आढ़ती अपने कमीशन को बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से ये हालात किसानों को परेशान करते हैं और खरीद प्रणाली में सुधार की जरूरत को बताते हैं। विडंबना है कि यह सारा हंगामा एक ऐसी फसल को लेकर हो रहा है, जिसको उगाने में प्रयुक्त पानी ने राज्य में एक गंभीर जल संकट को जन्म दे दिया है। वजह है धान की फसल की पैदावार बढ़ाने के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन। फलतरू राज्य का एक बड़ा इलाका मरुस्थलीकरण की ओर उन्मुख है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल उठता है कि पंजाब आखिर कब तक धान की खेती के जरिये अपने इन अनमोल प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करता रहेगा? इसमें दो राय नहीं है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर सुनिश्चित खरीद पंजाब के धान उत्पादकों को केंद्रीय पूल में अधिक अनाज के योगदान के लिये प्रेरित करती रही है। निस्संदेह, हरित क्रांति के बाद देश की खाद्य सुरक्षा शृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब का बड़ा योगदान रहा है। जिसके चलते देश खाद्यान्न संकट व कुपोषण के अभिशाप से किसी हद तक मुक्त हो सका है। जबकि एक हकीकत यह भी है कि यह फसल पंजाब का मुख्य भोजन नहीं रही है।निश्चित तौर पर केंद्र व राज्य सरकार को तालमेल बनाकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में लबालब भरे अन्न भंडार राज्य की अपेक्षाओं और केंद्र की आवश्यकताओं के बीच तालमेल के अभाव को दशार्ते हैं। विडंबना देखिये, इसी धान के उत्पादन का एक प्रतिप्रभाव यह भी है कि पंजाब के हिस्से में प्रदूषण बढ़ाने वाला पराली दहन का आक्षेप आता है। जिसे उत्तर क्षेत्र में अक्तूबर-नवंबर में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण का प्रमुख घटक बताया जाता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि एक तो किसानों को पराली निस्तारण का कारगर विकल्प केंद्र व राज्य सरकारें नहीं दे पायी हैं। वहीं दूसरी ओर किसानों के पास रबी की फसलों की बुआई के लिये अधिक समय नहीं बचा होता।

धर्मांधता के पागलपन का शिकार समाज

सर्वमित्रा सुरजन

लगभग दो-ढाई दशक पहले न्यूज चौनलों ने टीआरपी बढ़ाने और सबसे आगे बने रहने की दौड़ में जब नए-नए प्रयोग करने शुरू किए थे, तब करवा चौथ के मौके पर किसी चौनल ने व्रत करने वाली महिलाओं के लिए चांद की लाइव तस्वीरें दिखाई थीं। उसके बाद यह सिलसिला मैदान में उतरे बाकी चौनलों ने भी शुरू कर दिया। उस समय पत्रकारिता और मीडिया का ऐसा हाल देखकर आश्चर्य हुआ था कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें पूजा, व्रत जैसी निहायत व्यक्तिगत बातें भी अब खबरों के कारोबार में इस्तेमाल हो रही हैं। उस दौर में एनडीए की सरकार थी. वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे, लालकृष्ण आडवानी की प्रधानमंत्री बनने की हसरत थी और इंडिया शाइनिंग के नारे के साथ भाजपा को यकीन था कि भारत को चमकाने के नाम पर उसकी सियासत में चार चांद जरूर लगेंगे। बहरहाल, ऐसा नहीं हुआ, 2004 से 2014 तक यूपीए की सरकार रही। तब कांग्रेस के नेतृत्व में सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा, भोजन का अधिकार जैसे कई जनहितकारी फैसले भी आए। लेकिन अपने 10 सालों की सत्ता में कांग्रेस मीडिया के जरिए समाज में जहर भरने के दबे-छिपे एजेंडे को रोक पाने में नाकाम रही, बल्कि यह कहा जाए कि कांग्रेस समझ ही नहीं पाई कि उसकी नाक के नीचे दक्षिणपंथी ताकतें कैसा खेल कर रही हैं, तो शायद गलत नहीं होगा। कांग्रेस की इस नासमझी, नाकामयाबी और नजरंदाजी का खामियाजा अब देश भुगत रहा है। क्योंकि अब न्यूज चौनल करवा चौथ पर केवल चांद नहीं दिखा रहे, मेंहदी जिहाद के एजेंडे को भी चला रहे हैं। नरेन्द्र मोदी जब से सत्ता में आए हैं, तब से किस्म-किस्म के जिहाद देश में बताए जाने लगे हैं। ताजा मामला करवा चौथ पर लगाए जाने वाली मेंहदी से जुड़ा है। इस त्यौहार के मौके पर शहरों के व्यस्त बाजारों में फुटपाथ पर मेहंदी लगाने और लगवाने वालों की भीड़ आम बात है, कई सालों से ऐसा सिलसिला चल रहा है। लेकिन इस बार उप्र में कुछ जगहों पर दुगार्वाहिनी संगठन या इसी तरह के हिंदुत्ववादी संगठनों ने ऐलान किया कि हिंदुओं के इस धर्म में मेंहदी लगाने का काम मुस्लिम समुदाय के लोग नहीं करेंगे। सोशल मीडिया पर एक युवक का वीडियो भी वायरल हुआ, जो भरे बाजार में मुस्लिम लड़कियों को मेंहदी लगाने से रोक रहा था और गुंडागर्दी कर रहा था। इस तरह की खबरों को अगर प्रचारित-प्रसारित न किया जाए, तो ऐसे पागलपन को वहीं दबाया जा सकता है, लेकिन अगर मकसद पूरे देश को धर्मांधता के पागलखाने में तब्दील करना ही हो तो मीडिया की सेवाएं ली जाती हैं। इसलिए करवा चौथ पर चांद और पति की लंबी आयु के लिए पूजा करने वाली सुहागिनों की तस्वीरों, फिल्मी सितारों की करवा चौथ वाली पूजा के वीडियो के साथ-साथ अब मेंहदी जिहाद पर कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। हिंदू-मुसलमान के नाम पर दिन-रात बहसें कराकर अच्छे-भले लोगों का रक्तचाप बढ़ाने वाले एंकर संघ और भाजपा के एजेंडे को पूरा करने में लगे हैं। इस पागलपन में देश के एक बड़े तबके को शिकार बनाया जा रहा है, जिसके रोज नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। दुर्गा विसर्जन के जुलूस में उप्र के बहराइच में दंगा भड़का जिसमें एक नौजवान की मौत हो गई। इसमें भी गलत खबरों को धड़ल्ले से प्रसारित किया गया। उस युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बारे में झूठी बातें फैलाई गईं और इसमें कई बड़े पत्रकारों और भाजपा नेताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हालांकि बहराइच पुलिस ने साफ कहा कि

उस युवक को मारने से पहले यातनाएं देने की बात गलत है, ऐसा कुछ नहीं हुआ था। पुलिस की सफाई तो आ गई, लेकिन समाज में सांप्रदायिक जहर फैलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर होती तो शायद ऐसी कोशिशों पर थोड़ी रोक लगती। लेकिन बात वही है कि फिर भाजपा का मकसद पूरा करने का काम कौन करता। झारखंड में पिछले चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने कपड़ों से पहचानने वाला बयान दिया था, अब वो बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा इस आदिवासी बहुल राज्य में उठा रहे हैं। उधर बिहार के सीमांचल को भी यही डर दिखाकर केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग उठी है। भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकालकर खुलेआम धर्मनिरपेक्षता की अवहेलना कर रहे हैं और संविधान की शपथ का अपमान कर रहे हैं। दो दिन पहले राजस्थान में भाजपा विधायक बालमुकुंद बासबदनपुरा के शिया इमामगाह मस्जिद में घुस गए थे। उस वक्त नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, उनकी इबादत में दखल देते हुए बालमुकुंद ने कहा कि यह देवस्थान है। उनके इस तरह पहुंचने से हंगामा मचा और पुलिस तक खबर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने से पहले विधायक महोदय वहां से चले गए। इमामबाड़े के इमाम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विधायक ने उनके साथ बदतमीजी की, यहां तक कि वे इबादतगाह में जूते पहनकर घुस गए। अभी पिछले दिनों कर्नाटक की अदालत ने मस्जिद में जय श्रीराम के नारे लगाने को गलत नहीं माना था। अब देखना होगा कि भाजपा विधायक पर कोई कार्रवाई होती है या इसे भी भाजपा राज में गलत नहीं माना जाएगा, क्योंकि वे तो हिंदुत्व का परचम लहराने ही इमामबाड़ा पहुंचे थे। एक तरफ बटेंगे तो कटेंगे जैसे जुमले भाजपा उछाल रही है और सारे हिंदुओं को एकजुट करने के संघ सरसंचालक के निदेशों पर अमल कर रही है और दूसरी तरफ हिंदुस्तान को अल्पसंख्यकों के लिए असुरक्षित देश बनाने में लगी है। इस खतरनाक एजेंडे की चपेट में जनता का एक बड़ा तबका पहले ही आ चुका है, अब न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन, संसद और विधानसभाओं में बैठे लोग, खेल, कला जगत, व्यापारिक संस्थान, मीडिया से जुड़े लोग भी बिना किसी लिहाज, पदार्दारी के बेझिझक इस एजेंडे को गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे इस तरह अपने धर्म की सेवा कर रहे हैं, और इसी से देश की सेवा भी होगी। लेकिन असल में ये देश के खिलाफ भयानक षड्यंत्र में भागीदार बन रहे हैं। क्योंकि अब जिस तरफ निगाह दौड़ाइए, धर्म के नाम पर शक और नफरत से भरे लोग दिखाई देंगे, जिन्हें दूसरे धर्म के लोगों की खुशी से तकलीफ होती है और ये खुद तब खुश होते हैं, जब दूसरे पीड़ा में दिखाई दें। वैष्णव जन तो तेने कहिए रे, पीर पराई जाने रे, इस भजन के मायने हिंदू को जगाने वाले बेहूदा अभियान में गुम हो चुके हैं। राहुल गांधी के शब्दों में कह सकते हैं कि पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है और चिंगारी लगने की देर है। अब ये चिंगारी बार-बार भड़कती हुई दिख रही है। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि में दीवाली उत्सव में रंगोली सजाने और दीयों के जलाने पर छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि एक गुट रंगोली मिटाने और दीयों को बुझाने की कोशिश कर रहा था, जिसमें दोनों के बीच झड़प हुई। आरोप का सच और झूठ तो जांच का विषय है, लेकिन यह साफ दिख रहा है कि देश के शैक्षणिक संस्थानों में धर्मांधता के पागलपन का वायरस अच्छे से घुसा दिया गया है। होली, दीवाली, ईद, क्रिसमस बरसों-बरस शांति और सौहार्द के साथ मनाए जाते रहे हैं। धर्मों को लेकर झगड़े भी होते रहे, लेकिन पूरा का पूरा समाज उनमें उलझा हुआ दिखाई नहीं दिया। मगर करवा चौथ का चांद दिखाने से लेकर मेहंदी जिहाद तक लाने के सफर में समाज को उलझाने की कोशिश कामयाब हो चुकी है। इसलिए प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश का साथ आरती करना दिव्य घटना के समान लगता है। अयोध्या विवाद जैसे गंभीर मामले में फैसला लेने के लिए भी सीजेआई को भगवान के सामने बैठना पड़ा यह बात खुद उन्होंने कही है। फैसला तो हिंदुओं के पक्ष में आया और बाबरी मस्जिद तोड़ने वाले अब भी खुले ही घूम रहे हैं। लेकिन इस इंसाफ पर सवाल उठाने की गुंजाइश भी भगवान का नाम लेकर खत्म की गई है।

हिंद-प्रशांत इलाके में भारतीय कूटनीतिक बढ़त

इंडो-पैसिफिक नाम से ही स्पष्ट है, हिंद और प्रशांत महासागर की जद में आने वाले देश। हिन्द-प्रशांत में 40 देश और अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं : ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, दोनों कोरिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, लाओस, मलयेशिया, मालदीव, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, चीन, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम। इन 26 देशों के साथ प्रशांत द्वीप के 14 देशों को जोड़ लीजिये, जिसमें अमेरिका का हवाई वाला इलाका भी शामिल है। प्रशांत द्वीप समूह पश्चिम में इंडोनेशिया से लेकर पूर्व में ईस्टर द्वीप तक वृहदाकार इलाके में 20,000 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जिनमें इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी द्वारा साझा किया जाने वाला सबसे बड़ा द्वीप, ह्यन्यू गिनीह्ल भी है। जिन महाशक्तियों ने लम्बे समय तक इस इलाके को काबू में रखा, उनके लिए अपना प्रभाव बनाये रखने की चुनौती है। अमेरिका इसी सिंड्रोम से गुजर रहा है।

जो बाइडेन जब सत्ता में आये, उसके कुछ महीनों बाद हिन्द-प्रशांत नीतियों को रिव्यू करने का आदेश व्हाइट हाउस ने सीआईए को सौंपा था। मार्च, 2021 में सीआईए के निदेशक के रूप में नियुक्त बिल बर्न्स, इंडो-पैसिफिक के रणनीतिकार थे। जुलाई, 2021 में सीआईए ने एक विस्तृत रिपोर्ट दी। इंडो-पैसिफिक में चीन के प्रभाव को कैसे कम करें, उसकी योजना बनी। लेकिन चार वर्षों में निराशा ही हाथ लगी। जापान में लगभग 55 हजार अमेरिकी सैन्यकर्मी, दक्षिण कोरिया में 28, हजार, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, थाईलैंड और गुआम में कई हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। अपर्याप्त बजट, प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं और चीन से निपटने के तरीके पर वाशिंगटन में आम सहमति की कमी के कारण इन्हें मेंटेन करना भारी पड़ रहा है। यों, कहने के लिए पेंटागन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश को बढ़ा दिया है। लेकिन, आप भारत जैसे दोस्त के साथ सिख आतंकवाद आक्रामक रूप से लुभाने की कोशिश कर रहा है। क्या इस ह्यकूटनीतिक बिलियर्डह्ल को पुतिन खेल रहे हैं? इसके विपरीत, अमेरिका मध्य पूर्व संघर्षों में अपरोक्ष रूप से उलझ चुका है। अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बाद, अमेरिकी टैक्स पेयर्स राहत की सांस लेने ही वाले थे, कि जो बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन का

के इश्यू पर जस्टिन ट्रूडो जैसी शख्सियत की तरफदारी करें, तो नई दिल्ली को पाला बदलने में कितनी देर लगेगी? दरअसल, यही हुआ है।

शी, ताइवान के प्रति अपने व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों का निर्माण और सैन्यीकरण चीन कर रहा है। चीन ने कंबोडिया में एक विस्तारित नौसैनिक बंदरगाह पर भी काम शुरू किया है, जो किसी अन्य एशियाई देश में उसका पहला सैन्य अड्डा बन सकता है। सोलोमन द्वीप के साथ एक सुरक्षा समझौता, इसी तरह की कूटनीतिक कोशिशों का हिस्सा है। पेइचिंग, अन्य प्रशांत देशों को मोर्चा खोल दिया। यूक्रेन को 54 अरब डालर की प्रतिबद्धता अमेरिकी टैक्स पेयर्स को चुभने लगी है। अमेरिकी अधिकारी इस बात से जूझ रहे हैं, कि एक ही समय में चीन और रूस से कैसे निपटें? जो आमतौर पर जेरे बहस नहीं होती, वो हैं पुतिन की खामोश चालें। हिन्द-प्रशांत समेत दक्षिण-पश्चिम एशिया में जो रणनीतिक बदलाव आ रहा है, उसमें ह्यमास्को-पेइचिंग नेक्ससह्ल की बड़ी भूमिका है। पुतिन और शी यदि प्रच्छन्न हैं, तो मोदी बिलकुल प्रत्यक्ष रूप से कूटनीति के अखाड़े में हैं। पुतिन और शी ने दक्षिण-पूर्व से लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक रणनीतिक बदलाव किया है, तो पीएम मोदी ने भी अपने आपको बदला है। कल तक मोदी इस इलाके में दक्षिणपंथ के नायक माने जाते थे। ऐसे दक्षिणपंथ के कट्टर नायक ने क्यों वामपंथी शासकों को गले लगाया है? यह भी तो विमर्श योग्य प्रश्न है।

केपी शर्मा ओली और मोदी का खटराग अब आप नहीं सुनेंगे। 3 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से न्यूयार्क में मुलाकात की। दोनों नेता भरत-मिलाप की मुद्रा में थे। उनके बीच उभयपक्षीय बैठक ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, और व्यापार पर केंद्रित थी। बयान दिया कि भारत-नेपाल मित्रता बहुत मजबूत है, और हम अपने संबंधों को और भी गति देने के लिए तत्पर हैं। पीएम ओली के लिए अब लिपुलेख मुद्दा नहीं रहा। आप फिर श्रीलंका के वामपंथी नेताओं की बात करें। वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक चुनाव से पहले अपने पूरे जत्थे के साथ भारत आये थे। उन्हें सत्ता में आने के वास्ते, क्या कुछ मदद मोदी शासन ने दी थी, उसकी चर्चा फिर कभी। इस बार श्रीलंका, मालदीव हो, या नेपाल, या फिर बांग्लादेश, भारत और चीन के बीच ठीक से झांकिये, तो शत्रु भाव नहीं, क्षेत्रीय सहयोग का समभाव पैदा हुआ है। भारत से आड़े-तिरछे चलने वाले मुइज्जू, भीगी बिल्ली क्यों बन गए? इस्लामाबाद नई दिल्ली को गले लगाने के वास्ते क्यों आतुर है? इन तमाम सवालों के उत्तर ढूंढने की आवश्यकता है। मोदी न केवल आपदा को अवसर में बदलने वाले नेता हैं, बल्कि जिससे ठन जाती है, उसके ह्यअवसरह्ल को ह्यआपदाह्ल में बदल देते हैं। आप 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को याद करें। ह्यहाउडी मोदीह्ल इवेंट के दौरान जोशो-जुनून का स्मरण करें। उसके प्रकारांतर, भारत में मोदी भक्त, ट्रंप की जीत के लिए मनौती, पूजा-पाठ, यज्ञ सारे कर्मकांड कर रहे थे। लेकिन आज की तारीख में जस्टिन ट्रूडो से जब ठनी, ट्रंप ह्यना काहू से दोस्ती-ना काहू से बैरह्ल वाले भाव में नजर आये। सिख अतिवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू हत्या साजिश का मामला सुर्ख हुआ, ट्रंप तब भी चुप। अब मोदी और उनके समर्थक, ट्रंप के अवसर को आपदा में बदल देने के वास्ते बिलकुल खामोश हो गए हैं। अमेरिका में नए निजाम के आने के बाद, एशिया-प्रशांत नीति भी तय हो जाएगी। इस सारे खेल के पीछे रूसी कच्चे तेल की बड़ी भूमिका है। इसी वजह से यूक्रेन पर पीएम मोदी के प्रवचन पुतिन सुन भी रहे हैं। भारत अपनी वैश्विक पोजिशन बेहतर कर रहा है। दक्षिणपंथ को वामपंथ ने गले लगा लिया है। चीन-पाकिस्तान से दोस्ती भी परवान चढ़ेगी।

प्रियंका की चुनावी सियासत का आगाज

अपने बड़े भाई राहुल गांधी की केरल के वायनाड की छोड़ी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिये प्रियंका गांधी-वाड्रा ने बुधवार को परचा भरकर अपनी चुनावी राजनीति की शुरूआत कर दी है। परिवारवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी को एक और हमले का अवसर देते हुए कांग्रेस ने प्रियंका को मैदान में उतारा तो है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक प्रियंका का पलड़ा इस कदर भारी बतला रहे हैं कि भारतीय संसद पहली बार एक नहीं, दो नहीं बल्कि गांधी-नेहरू परिवार के तीन सदस्यों को एक साथ देखने जा रही है। राहुल ने 2024 का आम चुनाव वायनाड के साथ रायबरेली से लड़ा था। दोनों सीटों पर जीतने के बाद उन्होंने वायनाड की सीट छोड़ दी जहां से वे 2019 में भी निर्वाचित हुए थे। उस बार भी वे दो जगहों से चुनाव लड़े थे। दूसरा लोकसभा क्षेत्र अमेठी था, जहां उन्हें स्मृति ईरानी ने हराया था। 1998 से रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रही उनकी मां सोनिया गांधी इस साल हुए चुनाव में खड़ी नहीं हुईं परन्तु उन्हें पार्टी ने राज्यसभा में भेजा है। यदि वायनाड में होने जा रहे उपचुनाव में प्रियंका जीत जाती हैं तो वे परिवार की तीसरी मौजूदा सांसद होंगी।

वे बेशक गांधी परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से चुनावी प्रबंधन में अपनी कुशलता का परिचय दिया है। आकर्षक व्यक्तित्व की धनी प्रियंका सड़कों पर संघर्ष करना जानती हैं, विमर्श रचती हैं, भाजपा के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देती हैं और मुद्दों को लेकर सरकार पर टूट पड़ती हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान पार्टी की बतौर महासचिव उन्होंने सबसे पहले उत्तर प्रदेश का जिम्मा सम्हाला। हालांकि 2019 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व में कांग्रेस को बहुत सफलता नहीं मिल सकी थी। इसके कारण काफी लोगों को लगने लगा था कि प्रियंका में वह बात नहीं है जिसकी उम्मीद थी। भाजपा के लिये यह विशेष संतोष की बात थी। नाकामी से विचलित हुए बिना प्रियंका ने अपनी लड़ाई का मुंह सड़कों की तरफ मोड़ दिया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के साथ महिला सुरक्षा और उनके साथ होने वाले अत्याचारों को लेकर वे मुखर रहीं। उप्र में श्नड़की हूं, लड़ सकती हूंश का नारा चाहे विशेष कामयाब न हो पाया परन्तु उन्होंने प्रदेश में होने वाले बलात्कारों तथा उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार आवाजें उठाईं। प्रशासन ने कई जगहों पर उन्हें जाने से रोकने की कोशिशें की थीं, पर वे हाथरस, उन्नाव आदि गयीं और अपनी कटिबद्धता व साहस का परिचय देती रहीं। ऐसा नहीं है कि उन्हें राजनीतिक समझ उनके पिता राजीव गांधी की तरह सक्रिय राजनीति में उतरने के बाद हुई। जब राजीव प्रधानमंत्री बने तो वे बहुत छोटी उम्र में उनके साथ पिता के चुनावी क्षेत्र अमेठी जाया करती थीं। उनके परिवार के प्रति लोगों के अनुराग को उन्होंने नजदीक से देखा था और उनमें देश के प्रति दायित्व की समझ कम उम्र में विकसित हो गयी थी। उन्होंने अपने भाई के साथ-साथ पहले दादी इंदिरा गांधी और बाद में राजीव की शहादत को भी देखा था। निराशा व नाराजगी के बावजूद उन्होंने देश के लिये परिवार के इन दो लोगों के त्याग का महत्व समझा। देश के प्रथम राजनीतिक परिवार की सदस्य होने के नाते सियासत का प्रशिक्षण उन्हें स्वाभाविकतः बचपन से ही मिलता गया। इसका लाभ लेते और उसका प्रदर्शन करते हुए प्रियंका लगातार सक्रिय रहीं। कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में उन्होंने जमकर चुनाव प्रचार किया। यह अलग बात है कि उनकी पार्टी को कहीं सफलता मिली तो कहीं असफलता, लेकिन उनके करिश्माई व्यक्तित्व के ज्यादातर लोग मुरीद होते गये। मौजूदा लोकसभा में यदि कांग्रेस की सदस्य संख्या लगभग दोगुनी हुई है तो उसमें राहुल एवं कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ प्रियंका के भी योगदान से कोई इंकार नहीं कर सकता। वैसे प्रियंका का चुनावी प्रबन्धन का 35 वर्षों का अनुभव है- कभी अपनी मां सोनिया तो कभी राहुल के लिये। इस बार उन्होंने अमेठी में किशोरीलाल शर्मा को जीत दिलाई थी।

पिछले दिनों राहुल द्वारा की गयी दो पदयात्राओं के दौरान जो विमर्श गढ़ा गया तथा जिसे लोकसभा में सांसद के तौर पर स्वयं राहुल व कांग्रेस ने बढ़ाया, उसे सड़कों पर प्रियंका ने मजबूती दी। राहुल जिस प्रकार महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय आदि की बातें उठाते रहे, उसमें अपना सशक्त स्वर प्रियंका ने मिलाया है। मोदी सरकार तथा देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों के खिलाफ भी बेखौफ होकर प्रियंका ने अपनी रैलियों में आवाज उठाई। वायनाड सीट पर राहुल दो बार चुनाव जीत चुके हैं।

यूपी ने मारी बाजी, आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट बनाने में देश में बना नंबर वन

-संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साढ़े सात साल पहले सूबे की सत्ता संभालते ही बीमारू प्रदेश कहे जाने वाले यूपी को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसके तहत योगी सरकार ने प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ता इलाज उपलब्ध कराने के लिए कई फैसले लिए। आज इसका असर पूरे प्रदेश में देखा जा सकता है। अब, प्रदेशवासियों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता है। योगी सरकार की मॉनिटरिंग और उत्तम प्रदेश बनाने के दृढ़ संकल्प का ही असर है कि उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं में पूरे देश में अपना परचम लहराया है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की विभिन्न इकाइयों में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

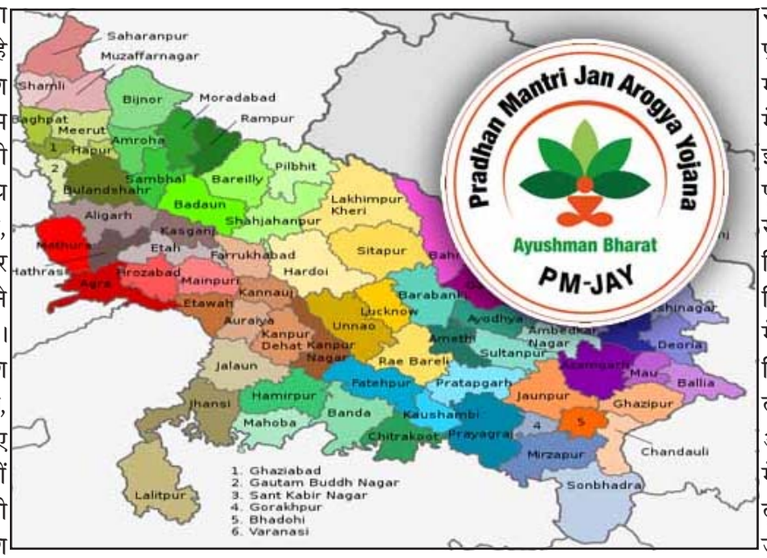

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप पूरे प्रदेश में युद्धस्तर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएस) के तहत प्रदेशवासियों की हेल्थ यूनिक आईडी बनाने का काम चल रहा है। ऐसे में उत्तर प्रदेश पूरे देश में एबीडीएस की विभिन्न इकाइयों को बनाने में पहले स्थान पर है। इनमें उत्तर प्रदेश आभा आईडी, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री, 100 माइक्रोसॉफ्ट प्रोजेक्ट, स्कैन एंड शेयर मॉड्यूल के मामले में पूरे देश में पहले पायदान पर है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड में पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। सचिव रंजन कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा को प्रदेश में पिछले एक वर्ष से लागू किया गया है। अब तक प्रदेश लगभग 12.45 करोड़ आभा आईडी को बनाकर पूरे देश में पहले पायदान पर है। वहीं, दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां अभी तक लगभग 5.46 करोड़ आभा आईडी को बनाया गया है। इसी तरह हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के स्वास्थ्य कर्मियों जैसे डॉक्टर, नर्सेज, सीएचओ, एएनएम, आशा इत्यादि का पंजीकरण किया जा रहा है। अब तक 74,789 रजिस्ट्री की जा चुकी है और वर्तमान में प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं, दूसरे स्थान पर कर्नाटक है, जहां पर अभी तक लगभग 58,919 हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री का सृजन किया जा चुका है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव रंजन कुमार ने आगे बताया कि हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर) में सभी चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र, प्राइवेट चिकित्सालय, क्लीनिक, डायग्नोस्टिक इत्यादि का पंजीकरण होना है। अब तक 61,015 हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री को फैसिलिटीज रजिस्टर किया जा चुका है। इस मामले में भी वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य के समस्त सरकारी चिकित्सा संस्थान, चिकित्सालय, उप-केंद्रों का शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। दूसरे स्थान पर कर्नाटक है, जहां पर अभी तक लगभग 60,743 हेल्थ फैसिलिटी की रजिस्ट्री का सृजन किया जा चुका है। एबीडीएम के तहत संचालित स्कैन एंड शेयर मॉड्यूल से सरकारी चिकित्सालयों में पंजीकरण में होने वाली कठिनाइयों को सफलतापूर्वक कम किया जा रहा है। सरकारी चिकित्सालयों में मरीज या तीमारदार को ओपीडी पंजीकरण में लगने वाले लगभग 50 मिनट को स्कैन एंड शेयर मॉड्यूल द्वारा कम करते हुए लगभग 5 मिनट करने में रजिस्ट्रेशन हो रहा है। स्कैन एंड शेयर मॉड्यूल में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है।

उपचुनाव में सभी सीटों पर लड़ेगी सपा

-संवाददाता

लखनऊ। सपा और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर चल रही खींचतान खत्म हो गई है। खींचतान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विराम लगा दिया है।उन्होंने साफ कर दिया है कि इंडिया गठबंधन सभी 9 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में सपा के सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगा। उपचुनाव में कोई भी कांग्रेस का उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ेगा।लोकसभा चुनाव 2024 में सपा और कांग्रेस एक साथ चुनाव के मैदान में उतरी थी,जिसका फायदा उन्हें उत्तर प्रदेश में हुआ था।उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन ने सबसे ज्यादा जीत सीटों पर हासिल की थी।उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में सपा ने पहले कांग्रेस को 2 सीटें दी थी।कांग्रेस 5 सीटों की मांग कर रही थी, जिस वजह से दोनों दलों के बीच खींचतान चल रही थी। अखिलेश यादव ने कांग्रेस हाईकमान से फोन पर सीट बंटवारे को लेकर बात की थी।दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर आम सहमति बन गई। फैसला हुआ है कि उपचुनाव में सपा के सिंबल पर ही इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। सूत्रों की मानें तो यूपी कांग्रेस ने हाईकमान को प्रस्ताव भेजा था, उसमें 5 सीटों पर लड़ने या सभी सीटों को छोड़ने की बात कही गई थी।

रमेश सिंह आल इण्डिया ड्राईवर फेडरेशन के उपाध्यक्ष बने

लखनऊ। आल इण्डिया गर्वमेन्ट ड्राईवर फेडरेशन के राष्ट्रीय सलाहकार राजकीय वाहन चालक महासंघ के पूर्व अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय ने बताया कि फेडरेशन ने उत्तर पश्चिम क्षेत्र की क्षेत्रीय कमेटी का गठन किया है। आल इण्डिया गर्वमेन्ट ड्राईवर फेडरेशन के क्षेत्रीय कमेटी अध्यक्ष उत्तर पश्चिम क्षेत्र नरेश राणा ने उत्तर प्रदेश राजकीय वाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व संगठन मंत्री रमेश चन्द्र सिंह को एक बार पुनः उपाध्यक्ष नामित किया है। उत्तर पश्चिम क्षेत्र की क्षेत्रीय कमेटी में राधेश्याम यादव दिल्ली को सलाहकार,राजीव कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह दिल्ली उपाध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह सचिव, संजय तिवारी दिल्ली, प्रकाश भाई गुजरात, संजय कुमार दिल्ली कार्यकारिणी सदस्य नामित किए गए है। नव नामित पदाधिकारियों को आल इण्डिया ड्राईवर फेडरेशन ने राष्ट्रीय स्तर पर लिए गए निर्णयों से अवगत कराते हुए बताय कि पुरानी पेंशन, एक समान वेतनमान सहित कई मुद्दे पर जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर आन्दोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिसके लिए उन्हें शीघ्र दिल्ली मे होने वाली बैठक में आमंत्रित किया जाएगा। रमेश सिंह को एक बार पुनः उपाध्यक्ष घोषित किए जाने पर प्रदेश के कई चालक संघों की तरफ से बधाई दी।

पेंशनर को जीवन प्रमाण देने ट्रेजरी आने की जरूरत नहीं

ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे प्रमाणपत्र

-संवाददाता

लखनऊ। पेंशनर को जीवित होने का प्रमाण पत्र देने ट्रेजरी आने की जरुरत नहीं है। वह घर बैठे ही अपने प्रमाण पत्र ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। ऑनलाइन आते ही फाइलों से सत्यापन हो जाएगा और उनकी पेंशन उनके खातों में नियमित आने लगेगी।ट्रेजरी अफसर जितेन्द्र राय तथा राहुल सिंह ने बताया कि पेंशनर्स के लिए आन लाइन विशेष सुविधा शुरू की गयी। ट्रेजरी अफसर जितेन्द्र राय तथा राहुल सिंह ने बताया कि पेंशनर्स के लिए आन लाइन विशेष सुविधा शुरू की गयी।रिटायर कर्मियों को कलेक्ट्रेट ट्रेजरी आने की जरुरत ही नहीं है। आनलाइन जीवित प्रमाण अपलोड कर सकेंगे साइट अथवा न्ड।छळ ।च्च पर अपना जीवन प्रमाण पत्र भेज सकते हैं। आन लाइन प्रमाण पत्रों पर भी उसी तरह कार्यवाही होती है जैसे आफ लाइन। कार्यालय आने में पेंशनर को असुविधा होती है,इस वजह से ऑनलाइन व्यवस्था बनायी गयी है। कलेक्ट्रेट ट्रेजरी से लखनऊ के विभिन्न विभागों के 44000 पेंशनर्स को पेंशन दी जा रही है,जिनकी जीवित प्रमाण पत्र की अवधि नवम्बर व दिसम्बर में समाप्त हो रही है वह आनलाइन प्रमाण पत्र अपलोड कर दें।

लम्बे इंतजार के बाद सेतु निगम में पदोन्नति, अध्यक्ष प्रबंध निदेशक से मिले

-संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम में काफी दिनों से लंबित अभियंताओं के प्रोन्नति आदेश जारी किये गये है। बीस अभियंताआं की पदोन्नति के बाद डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के प्रदेश अध्यक्ष इं. श्रीप्रकाश गुप्ता ने प्रतिनिधि मण्डल के साथ प्रबंध निदेशक से मुलाकात कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक संपन्न हुई थी।जिसमें सहायक अभियंता से उप परियोजना प्रबंधक पद पर तथा उप परियोजना प्रबंधक से परियोजना प्रबंधक पद पर पदोन्नति किए जाने के संबंध में समिति द्वारा निर्णय लिया गया था। सेतु निगम के 14 सहायक अभियंताओं को उप परियोजना प्रबंधक के पद पर पदोन्नति दी गई तथा सेतु निगम के ही

6 उप परियोजना प्रबंधकों को परियोजना प्रबंधक के पद पर पदोन्नति के आदेश निर्गत किए गए। इनमें इं. प्रशान्त कुमार, इं. अरूण कुमार सिंह, इं. रविशंकर राय, इं. आनंद पाण्डेय, इं. प्रवीण कुमार भारती, इं. विजेन्द्र कुमार, को उप परियोजना प्रबंधक से परियोजना प्रबधक और इं. ज्ञानेन्द कुमार वर्मा, इं. मृगेन्द्र सिंह चौहान, इं.हरिकेश बहादूर सिंह, इं. अविनाश कुमार आर्या, इं. राकेश कुमार, इं.सुधर सिंह, इं. होतीलाल, इं. सुरेन्द्र कुमार सुमन, इं. रामकिशोर, इं. दिलीप कुमार तृतीय, इं. चन्द्रपाल दिवाकार, इं. शुलमेन्द्र प्रताप सिह और इं. मुच्चन यादव को सहायक अभियंता से उप परियोजना प्रबंधक के पद पर पदोन्नति दी गई। इस अवसर पर सेतु निगम द्वारा जारी पदोन्नति आदेश मिलने पर अभियंताओं द्वारा एक दूसरे का मुंह मीठा कराया गया और अभियंताओं में खुशी की लहर देखी गई। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के कुल 20 अभियंताओं के पदोन्नति किए जाने पर सेतु निगम डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्रीप्रकाश गुप्ता एवं अभियंता एसोसिएशन के महासचिव देवेंद्र प्रताप द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह प्रमुख सचिव अजय चौहानतथा सेतु निगम के प्रबंध निदेशक धर्मवीर सिंह जी को बधाई दी गयी है।

सीएम आवास की ओर किसानों ने किया कूच,पुलिस ने रोका

-संवाददाता

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में गुरुवार दोपहर 2 बजे बड़ी संख्या में किसान मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर गए। किसान पथ स्थित खुरदही बाजार में सैकड़ों की संख्या में किसान जमा हुए। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास की ओर रवाना हुए। इससे पहले पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझाने की कोशिश की, लेकिन किसान नहीं माने। प्रशासन ने किसानों को 3 किलोमीटर बाद एचसीएल गेट के पास बैरिकेडिंग कर रोक लिया है। नाराज किसान रोड पर बैठ गए हैं और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इस दौरान रोड की एक ओर जाम लग गया है। यूनियन के प्रदेश जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा ने एलडीए और आवास विकास पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा एलडीए और आवास विकास किसानों की जमीन को गलत तरीके से अधिग्रहण करने का प्रयास कर रहा है। जब तक हमें उचित मुआवजा नहीं मिलता प्रदर्शन जारी रहेगा।

यूपी उपचुनाव: बसपा ने आठ प्रत्याशियों के नाम का किया ऐलान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। मायावती की पार्टी ने 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 8 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है। हालांकि, बसपा ने अलीगढ़ की खैर सीट पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया है। बसपा ने अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट से अमित वर्मा, प्रयागराज की फूलपुर सीट से जितेंद्र कुमार सिंह, मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से शाहनजर को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी ने कानपुर की सीसामऊ सीट से वीरेंद्र कुमार शुक्ला, मैनपुरी की करहल सीट से डॉ. अवनीश कुमार शाक्य, मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा,

गाजियाबाद से परमानंद गर्ग, मिजार्पुर की मझवां सीट से दीपक तिवारी को टिकट दिया है। इससे पहले गुरुवार को भाजपा ने उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए 7 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था। भाजपा ने कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर से दीपक पटेल, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिस्मिता मौर्या को उम्मीदवार घोषित किया है। उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होने हैं, जबकि वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। बता दें कि बसपा प्रमुख मायावती ने बीते दिनों ऐलान किया था कि उनकी पार्टी बसपा यूपी में विधानसभा की नौ सीटों पर हो रहे उपचुनाव अकेले ही अपने बलबूते पर लड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने साफ किया था कि उनकी बसपा महाराष्ट्र और झारखंड में भी अकेले ही विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र व झारखंड राज्य विधानसभा आम चुनाव के लिए तारीखों की आज की गई घोषणा का स्वागत। चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात धनबल और बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर है, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है। बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटके, बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवां के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना प्रयास जारी रखें। यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

करंट से युवक की मौत,देर रात आ रहा था ससुराल

उरई/जालौन। जालौन में बुधवार देर रात को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। युवक अपनी ससुराल आया हुआ था और वह सरकारी ट्यूबवेल पर गया था। जहां खुले में पड़े तार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। घटना कालपी कोतवाली क्षेत्र के बसंत ताल की है। भिंड जनपद के रौन थाना क्षेत्र के ग्राम मोरखी बड़ी का रहने वाला विनय प्रकाश (35) अपनी ससुराल मोखरी बड़ी आया हुआ था। गांव में घर के बाहर लगे सरकारी ट्यूबवेल के पास रात करीब 11 बजे पहुंचा।

चार महीने से लापता युवक का शव मिला

-संवाददाता

लखनऊ। 4 महीने से लापता युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बताया गया कि शव से कुछ दूरी पर जहर की पुड़िया मिली है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक ने जहर खाकर अपनी जान दे दी है। वह अपने परिवार से नाराज चल रहा था। निगोहां थाना क्षेत्र के गोहां के शेरपुर लवल में गुरुवार सुबह 8 बजे गांव के बाहर एक खेत में युवक का शव पड़ा दिखा। मृतक की पहचान गांव के ही रामू (31) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना निगोहा थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। युवक के लापता होने के बाद उसकी मां तलाश कर रही थी। नाते-रिश्तेदारों में पता किया था। लेकिन उसकी जानकारी नहीं मिली। महिला ने युवक की गुमशुदगी का मामला नहीं दर्ज कराया था। सुबह गांव के लोगों ने उसे रामू की लाश खेत में पड़ी होने की सूचना दी।

दो टुकड़े हुई केटीएम बाइक, दो दोस्तों की मौत

-संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भीषण सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। 100 की स्पीड से जा रही ज़ज्ड बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के 2 टुकड़े हो गए। एक युवक का सिर बुरी तरह से कुचल गया। हुसैनगंज निवासी तीनों युवक देवा से मेला देखकर घर जा रहे थे। हादसा गुरुवार सुबह करीब 8 बजे चिनहट क्षेत्र के सुगंध लॉन के पास हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया। तीसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों को जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक की रफ्तार तेज थी और किसी ट्रक या बड़े वाहन ने टक्कर मार दी। इससे बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। तीनों के सिर सहित हाथ और पैरों में गंभीर लगी थी। चिनहट थाना इंस्पेक्टर अश्वनी चतुर्वेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 8 बजे हमें हादसे की सूचना मिली। हुसैनगंज निवासी मो. शकील का बेटा बब्बू (30) अपने दोस्त अरशद (25) और कामरान के साथ देवा से मेला देखकर लौट रहा था। वह चिनहट इलाके के उमंग लॉन के पास पहुंचे थे। इसी दौरान किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। केटीएम बाइक की रफ्तार तेज थी। जिसकी वजह से बाइक पर कंट्रोल नहीं रहा।

यूपी उपचुनाव: बीजेपी ने जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

करहल में चला बड़ा दांव, मुलायम सिंह के रिश्तेदार अनुजेश यादव को दिया टिकट

-संवाददाता

लखनऊ। यूपी में विधानसभा की 7 सीटों करहल, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर पर उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है।भारतीय जनता पार्टी ने करहल सीट से अनुजेश यादव, कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, मझवां से सुषस्मिता मौर्य- कटेहरी से धर्म राज निषाद, खैर से सुरेंद्र दिलेर और मीरापुर से प्रत्याशियों का ऐलान किया है। फूलपुर से दीपक पटेल, गाजियाबाद से संजीव शर्मा को टिकट मिला है। सीसामऊ कानपुर सीट से अभी बीजेपी ने कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।कटेहरी से धर्मराज निषाद पुराने बसपाई हैं और तीन बार बसपा से विधायक और बसपा सरकार में मंत्री भी रहे। 2022 से पहले बीजेपी

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

क्र०	विधानसभा का नं० एवं नाम	उम्मीदवार का नाम
1.	29 कुंदरकी Kundarki	श्री रामवीर सिंह ठाकुर Shri Ramvir Singh Thakur
2.	56 गाजियाबाद Ghaziabad	श्री संजीव शर्मा Shri Sanjeev Sharma
3.	71 खैर (अजा) Khair (SC)	श्री सुरेंद्र दिलेर Shri Surendra Diler
4.	110 करहल Karhal	श्री अनुजेश यादव Shri Anujesh Yadav
5.	256 फूलपुर Phulpur	श्री दीपक पटेल Shri Deepak Patel
6.	277 कटेहरी Katehari	श्री धर्मराज निषाद Shri Dharmraj Nishad
7.	397 मझवां Majhawan	श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या Smt. Suchismita Maurya

(अरुण सिंह)
राष्ट्रीय महासचिव एवं

में आए।चुनाव लड़े और हार गए। बीजेपी ने इन्हें फिर मौका दिया है। मझवां से सुष्मिता मौर्य, बीजेपी से विधायक रहीं हैं। 2022 में सीट निषाद पार्टी को दे दी गई थी। मझवां से बीजेपी पार्टी की पूर्व विधायक को लड़ा रहीं हैं।अलीगढ़ की खैर सीट से सुरेंद्र दिलेर,पूर्व बीजेपी सांसद राजवीर दिलेर के बेटे हैं।फूलपुर से दीपक पटेल पूर्व बीजेपी सांसद केसरी देवी पटेल के बेटे हैं। कुंदरकी से रामवीर ठाकुर बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। वे बीजेपी से चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन जीते नहीं थे।मझवां से बीजेपी प्रत्याशी के ऐलान पर बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा, एनडीए एकजुट और उपचुनाव में एनडीए की सभी सीटों पर जीत होगी। दबाव की राजनीति इंडिया अलायंस में होती है,एनडीए में नहीं। बीजेपी ने सात कैंडिडेट घोषित किए हैं।दो अन्य सीटें हैं जिस पर भी नाम स्पष्ट हो जाएंगे। यूपी बीजेपी की लिस्ट के ऐलान पर सपा के प्रदीप भाटी ने कहा कि जिन सीटों पर चुनाव हो रहे हैं उसमें से 5 सीटों पर हमने जीती थी। हमारी कांग्रेस से लंबे समय से बात चल रही है। बीजेपी के सहयोगी दल निषाद पार्टी ने कई मौकों पर मझवां और कटेहरी सीट मांगी थी। बीजेपी हाईकमान से भी उन्होंने बात की थी।

सत्ताईस का सत्ताधीश, अखिलेश के जन्मदिन पर पोस्टर वार की शुरूआत

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर सपा कार्यालय के बाहर लगी एक होर्डिंग प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, इस पोस्टर के जरिए सपा नेता ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी है। पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल है। इस पोस्टर में अखिलेश यादव को सत्ताईस का सत्ताधीश बताया गया है। बताया जा रहा है कि सपा प्रमुख के जन्मदिन पर यह होर्डिंग जयराम पांडे के द्वारा लगवाई गई है। जिसमें अखिलेश यादव को शक्तिशाली नेता के रूप में दिखाया गया है। यह पोस्टर सपा कार्यकताओं में आकर्षक का केंद्र बना हुआ है।

दंपति के साथ लूट का खुलासा पुलिस अधीक्षक ने किया

रायबरेली- बीते दिनों लालगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई दंपति के साथ लूट का खुलासा पुलिस अधीक्षक ने किया है। एसपी डा.यशवीर सिंह ने बताया कि बीते 17 अक्टूबर को लालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे मतवा गांव के निवासी अमरपाल अपनी पत्नी बबीता के साथ स्टेट बैंक शाखा से एक लाख रुपये निकाल कर घर जा रहे थे रास्ते में गंगापुर चौराहे के पास घात लगाए दो अज्ञात बाइक सवार लोगों ने महिला से बैग छीन कर फरार हो गए थे। जिसकी सूचना पीड़ित अमरपाल ने लालगंज कोतवाली को दी थी। प्रार्थना पतके आधार पर लालगंज पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया था। एसओजी व कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने डलमऊ फतेहपुर बाई पास के पास से अमर सिंह उर्फ पप्पू व मनुनट पुत्र हब्बू निवासी छत्तीसगढ़ को नकद एक लाख 10 हजार, जेवरात व तमंचा, बाइक बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को इस खुलासे के लिए 20 हजार का नकद पुरस्कार दिया है।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई,फैक्ट्री को किया सील, सिनथैटिक युक्त बने छेने और मिठाइयां मिलीं

रायबरेली। जिले में दीपावली के त्योहार को देखते हुए खाद्य विभाग के अधिकारियों ने एक मिठाई बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा। इस दौरान फैक्ट्री को सील कर दिया गया और वहां बनी मिठाइयों और छेने को नष्ट कर दिया गया। यह मामला बछरावां थाना के अघौरा गांव में बबलू छेना फैक्ट्री का है। जहां कई वर्षों से मिठाई बनाई जा रही थी। खाद्य विभाग को मिठाइयों में मिलावट की जानकारी मिली थी। जिसके बाद उन्होंने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान खाद्य रसद विभाग की टीम ने कई कुंतल छेने और मिठाइयों को नष्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि इनमें सिंथेटिक पाउडर और हानिकारक केमिकल मिलाए गए थे। जिला खाद्य अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के समय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। छापेमारी के दौरान खाद्य रसद विभाग की टीम ने कई कुंतल छेने और मिठाइयों को नष्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि इनमें सिंथेटिक पाउडर और हानिकारक केमिकल मिलाए गए थे। जिला खाद्य अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के समय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

नवनियुक्त थानाध्यक्ष ने किया पदभार ग्रहण

हर पल निगाहें संवाददाता

हरचंदपुर, रायबरेली - नवनियुक्त थानाध्यक्ष के पद पर संतोष सिंह ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है, वह जिले के अपराध शाखा रायबरेली से हरचंदपुर के थानाध्यक्ष बनाए गए हैं,अपराधों पर नियंत्रण त्योहारों पर यातायात की समस्या से निजात दिलाना आम आदमी की सुरक्षा उनका मुख्य उद्देश्य होगा।

राजकीय कृषि फार्म की दीवाल तोड़कर बनाई गई अवैध दुकाने प्रशासन मौन

रायबरेली - राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ-प्रयागराज के पास हरचंदपुर कस्बे मे शासकीय कृषि पर फार्म हाउस की बाउंड्री तोड़कर कई लोगों ने अवैध रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग और फार्महाउस की भूमि पर सड़क के दोनों और महाराजगंज मोड तक अवैध कब्जे करके दुकाने बना ली है। जिसके कारण आये दिन यहां पर जाम की स्थिति बनती है,साथ ही दो पहिया वाहन चालक और पैदल जाने वाले लोगों को भी परेशानी होती है,क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण बड़े भारी वाहनों का दबाव रहता है, इसके साथ ही एक और महाराजगंज रोड और दूसरी और स्टेशन के साथ ही कई गांव तक जाने वाली रोड जुड़ी हुई है !जहां पर वाहनों को मोड़ते समय इन अवैध दुकानों के कारण जाम की स्थिति बनती है,कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। जिला प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेकर शासकीय भूमि पर बनाई गई अवैध दुकानों को हटवाना चाहिए।

अफसर दुकानदारों पर चुपके से रखेंगे नजर, दिवाली पर जीएसटी चोरों पर कसेगा शिकंजा

हर पल निगाहें संवाददाता

लखनऊ -राज्य कर विभाग त्योहारी सीजन में जीएसटी चोरों पर नकेल लगाने जा रहा है। यह देखा जाएगा कि व्यापारी बिलों के भुगतान पर जीएसटी काट रहे हैं

या नहीं। जीएसटी के कितने बिल हैं और बिना बिल के कितने की बिक्री हुई। इसका आकलन व्यापारियों द्वारा मंगाए जाने वाले कच्चे माल के आधार पर किया जाएगा (जीएसटी अफसर दुकानदारों पर चुपके से नजर रखेंगे।। जांच के दौरान यह ध्यान रखा जाएगा कि किसी भी व्यापारी को परेशान न किया जाए। व्यापारियों को परेशान किए जाने की शिकायत पर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।देशभर में मौजूदा समय त्योहारी सीजन चल रहा है। दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज, छठ पर्व और सहालग के चलते बाजार में तेजी आई है। इलेक्ट्रानिक वस्तुओं के साथ किराना, मेवा, मिठाई, चाकलेट, कपड़े आदि की खुदरा बिक्री में तेजी आई है। थोक व्यापारियों द्वारा रोजाना लाखों या फिर करोड़ों का कारोबार किया जा रहा है। उनके द्वारा राज्यों के बाहर से लगातार माल मंगाया जा रहा है।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई,फैक्ट्री को किया सील, सिनथैटिक युक्त बने छेने और मिठाइयां मिलीं

रायबरेली। जिले में दीपावली के त्योहार को देखते हुए खाद्य विभाग के अधिकारियों ने एक मिठाई बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा। इस दौरान फैक्ट्री को सील कर दिया गया और वहां बनी मिठाइयों और छेने को नष्ट कर दिया गया। यह मामला बछरावां थाना के अघौरा गांव में बबलू छेना फैक्ट्री का है। जहां कई वर्षों से मिठाई बनाई जा रही थी। खाद्य विभाग को मिठाइयों में मिलावट की जानकारी मिली थी। जिसके बाद उन्होंने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान खाद्य रसद विभाग की टीम ने कई कुंतल छेने और मिठाइयों को नष्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि इनमें सिंथेटिक पाउडर और हानिकारक केमिकल मिलाए गए थे। जिला खाद्य अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के समय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

पटाखों के लाइसेंस के लिए भीड़,कलेक्ट्रेट परिसर में लगी लाइन, लॉटरी सिस्टम से बटेंगे लाइसेंस

रायबरेली। दीपावली के पर्व से पहले अस्थाई पटाखों के लाइसेंस के लिए रायबरेली के जिला कलेक्ट्रेट परिसर में भारी भीड़ उमड़ी है। प्रशासन द्वारा अस्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र वितरण का काम शुरू हो गया है, जिससे लाइसेंस के इच्छुक लोग लंबी कतारों में खड़े नजर आ रहे हैं। अगले दो दिनों तक जिला प्रशासन अस्थाई पटाखों के लाइसेंस के लिए फॉर्म वितरित करेगा, जिसके बाद आवेदन जमा कराए जाएंगे।

जिला प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, पटाखों के अस्थाई लाइसेंस का वितरण लॉटरी सिस्टम के जरिए किया जाएगा। आवेदन जमा करने से पहले आवेदकों को सभी आवश्यक शर्तें और मानक पूरे करने होंगे, जिसमें थाने, अग्निशमन विभाग, और दो अन्य विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य है। मानकों के अनुसार उचित आवेदन जमा होने के बाद, निश्चित तिथि पर लॉटरी सिस्टम के

माध्यम से लाइसेंस निर्गत किए जाएंगे। सिटी मजिस्ट्रेट धीरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के नियमों के आधार पर पटाखों के अस्थाई लाइसेंस का वितरण किया जा रहा है। आवेदन प्रक्रिया में मानकों की कड़ी जांच के बाद ही लाइसेंस दिए जाएंगे। लाइसेंस वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लॉटरी प्रणाली अपनाई गई है, जिससे योग्य आवेदकों को लाइसेंस निर्गत हो सकेंगे। आवेदकों की भारी संख्या को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में प्रशासन ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं, ताकि आवेदन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

महाराजगंज रोड के पास लग रहा कूड़े का ढेर,,,बीमारियों के साथ दुर्घटना का बना रहता है डर

हर पल निगाहें संवाददाता

हरचंदपुर,रायबरेली- राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ-प्रयागराज से हरचंदपुर होकर महाराजगंज जाने वाले मार्ग के पास लोगों के द्वारा

अवैध रूप से सड़क के दोनों और कूड़ा डाला जा रहा है! जिसके कारण गंदगी फैल रही है। साथ ही गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है,इसके साथ ही सबसे बड़ी परेशानी वहां से निकलने वाले वाहन चालकों को होती है, क्योंकि सड़क के दोनों और कचरे का ऐसा ढेर लगा हुआ है, कि वाहन चालक अनियंत्रित होकर कूड़े में ही चले जाते हैं, इसी वजह से कई बार दुर्घटनाएं भी होती हैं। स्थानीय प्रशासन को इस विषय पर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करना चाहिए,साथ ही मार्ग के दोनों और इंटरलॉकिंग ईट लगवाना चाहिए।

पत्नी ने लगाई फांसी,3 घंटे बाद पति ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

रायबरेली। जिले में एक साथ दंपती की मौत हो गई। बीती रात को पत्नी ने फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया, वहीं पति ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला लालगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सातनपुर गांव का है। जहां के रहने वाले संपत्ति बऊआ पत्नी अनिल कुमार और अनिल कुमार पुत्र राम प्रसाद ने अलग-अलग स्थान पर आत्महत्या कर लिया। बता दें कि 2012 में दोनों ने एक ही गांव का होने के बावजूद प्रेम विवाह कर लिया था। बीते दो दिन पहले पति और पत्नी के बीच में किसी बात को लेकर के मनमुटाव और विवाद हुआ था। जिसके चलते बीती रात पत्नी ने फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया, वहीं दूसरी तरफ आत्महत्या में फंसने के डर से पति अनिल कुमार ने पैसेंजर ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद अलग-अलग घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष लालगंज संजय सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद तत्काल मौके पर पुलिस बल भेज दिया गया था, अलग-अलग स्थान पर आत्महत्या के मामले में मृतकों के शवों को कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव,ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

रायबरेली। बछरावां थाना क्षेत्र के सेरी गांव के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जैसे ही इस घटना की सूचना पुलिस को मिली, तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्होंने जांच-पड़ताल शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास कई घरों के निकट मिला। जब ग्रामीणों ने शव को देखा, तो उन्होंने तुरंत अन्य गांव वालों को सूचना दी। कुछ समय बाद, मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पहचान करवाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी। कोतवाली प्रभारी ने कहा, ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। हमने पहचान करवाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली है।

दीपावली पर खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक सख्त, 1600 किलो संक्रमित छेना नष्ट, मिलावट रोकने के निर्देश

रायबरेली। जिले के बछरावां में दीपावली पर्व को देखते हुए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के अभियान को तेज करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने खाद्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दीपावली के अवसर पर बाजारों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के नमूनों की सैंपलिंग नियमानुसार की जाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान को और तेज किया जाए। हर्षिता माथुर ने कहा कि गुणवत्ता

युक्त और सुरक्षित खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। जिलाधिकारी ने आगे निर्देशित किया कि प्रतिदिन अधिक से अधिक खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग की जाए और यदि किसी भी खाद्य पदार्थ में मिलावट पाई जाती है, तो उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया जाए। उन्होंने आम जनमानस से भी अपील की कि वे पर्व के दौरान गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता दिखाएं। यदि किसी स्थान पर निम्न स्तर के खाद्य पदार्थ मिलते हैं, तो इसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन को दें। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इस अभियान के तहत ग्राम अघौरा में 1600 किलो संक्रमित छेना नष्ट किया और इसके नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा। विभाग ने खाद्य कारोबारकताओं को सख्त हिदायत दी है कि वे किसी भी स्थिति में मिलावटी खाद्य पदार्थों का व्यापार न करें और आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराएं। अन्यथा, कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुभाष चंद्र बोस कॉलेज में बाउंसरों का उत्पात,छात्रों और अध्यापकों के साथ की मारपीट, फरार

रायबरेली। महराजगंज में बछरावां अंतर्गत कुंदनगंज में स्थित सुभाष चंद्र बोस इंटरमीडिएट कॉलेज में बाहरी बाउंसरों ने बुधवार को छात्रों और अध्यापकों के साथ मारपीट की। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, विद्यालय में पूर्व और वर्तमान प्रबंधक के बीच का विवाद बढ़ता गया, जिसके परिणामस्वरूप दबंगों ने शिक्षा के मंदिर में घुसकर मारपीट की और तोड़फोड़ की। बाउंसरों ने विद्यालय के अंदर प्रवेश करके लैपटॉप और अन्य दस्तावेजों को तोड़फोड़ दिया। छात्र-छात्राओं ने बताया कि वे बाउंसरों के हमले का शिकार हुए और उनके शिक्षकों के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद, पुलिस ने छात्र-छात्राओं और विद्यालय के स्टाफ से पूछताछ की। इसके बाद बाउंसरों की खोजबीन शुरू कर दी गई। पुलिस का कहना है कि वे बाउंसरों को जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

महराजगंज में जिलाधिकारी का औचक निरीक्षण प्रधानाचार्य और वार्डेन का वेतन रोका

रायबरेली। बछरावां में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय शेषपुर समोधा (बालक) और राजकीय आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय रैन बछरावां का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की साफ-सफाई और विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की जांच की। शेषपुर समोधा विद्यालय में गंदगी पाए जाने पर डीएम ने प्रधानाचार्य अवधेश प्रसाद और वार्डेन कुसुमलता के वेतन को अग्रिम आदेशों तक रोकने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी को निर्देशित किया कि विद्यालय में पठन-पाठन नियमित रूप से हो, विद्यार्थियों को समय पर निःशुल्क पुस्तकें और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने मेस की साफ-सफाई, फॉगिंग और छात्रों की मेडिकल सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएम हर्षिता माथुर ने छात्रों से करियर काउंसलिंग भी की, उन्हें बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय के सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच करने और आगंतुकों का रजिस्टर रखने के सख्त निर्देश दिए। कक्षाओं के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने फर्नीचर और कुर्सियों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को हर समय मेडिकल सुविधाएं मिलनी चाहिए और विद्यालय का वातावरण स्वच्छ होना चाहिए। इस औचक निरीक्षण से विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया, और डीएम ने साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

12वीं की छात्रा का अपहरण, पुलिस जांच में जुटी

रायबरेली। जनपद में संदिग्ध परिस्थितियों में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के बाहर से 12वीं कक्षा की छात्रा का अपहरण कर लिया गया है। घटना मंगलवार को हुई, जब दो बाइक सवार युवकों ने मुंह पर मास्क लगाकर छात्रा का अपहरण किया। घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना रायबरेली जिले के जगतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरगुजपुर कस्बे में स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के सामने हुई। छात्रा, जिसका नाम कोमल (बदला हुआ नाम) बताया गया है, स्कूल जाते समय अपने सहपाठियों के साथ थी। अचानक दो बाइक सवार युवक वहां पहुंचे और उसे अपहरण कर लिया। छात्रा के साथ मौजूद अन्य छात्रों ने इस घटना को देख लिया और तुरंत इसकी जानकारी स्कूल प्रशासन और छात्रा के परिजनों को दी। अप्रहित छात्र के परिजनों ने थाने में जाकर गांव के ही दो युवकों पर अपहरण का आरोप लगाया है। इसके बाद थाना जगतपुर में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। क्षेत्राधिकारी डलमऊ, अरुण नौनिहार ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि तहरीर के आधार पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हर पल निगाहें : स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक राजेन्द्र कौशल द्वारा गौरव सेवा संस्थान, हरचन्दपुर, रायबरेली से प्रकाशित तथा आकाश प्रिन्टर्स नेहरू नगर, रायबरेली से मुद्रित
सम्पादक : राजेन्द्र कौशल (मो. : 9415956631) Email : pressharpalnigahein@gmail.com R.N.I. No.: UPHIN/2010/32333
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र रायबरेली न्यायालय ही मान्य होगा।